# मनी स्पाइडर, एंट-ममिकिंग स्पाइडर की खोज

आमतौर पर यूरोपीय घास के मैदानों में पाए जाने वाले मनी स्पाइडर को देश में पहली बार वायनाड वन्यजीव अभयारण्य के मुथंगा रेंज देखा गया है।

- क्राइस्ट कॉलेज (केरल) के शोधाकर्त्ताओं ने मुथंगा रेंज से जंपिंग स्पाइडर के समूह से संबंधित एंट-ममिकिंग मकड़ियों की भी खोज की है।

## प्रमुख बिंदु

## मनी स्पाइडर के बारे में:

//

- मनी स्पाइडर जीनस प्रोसोपोनोइड्स (***Prosoponoides)*** के अंतर्गत बौने मकड़ियों (***Linyphiidae***) के परिवार से संबंधित है।
    - अब तक दुनिया भर में इस जीनस से संबंधित मकड़ियों की केवल छह प्रजातियों की पहचान की गई है।
- इसे **Prosoponoides biflectogynus** नाम दिया गया है।
- नर और मादा मनी मकड़ियाँ आमतौर पर क्रमशः 3 मिमी से 4 मिमी लंबी होते हैं।
- नर और मादा दोनों गहरे भूरे रंग के होते हैं और अंडाकार पेट पर अनियमित सिल्वर और काले रंग के धब्बे होते हैं।
- उनके ओलिव-ग्रीन पैरों पर कई बारीक काले काँटे होते हैं।
- आठ काले रंग की आँखें दो पंक्तियों में व्यवस्थित होती हैं।
- मादाएँ सूखे पेड़ की टहनियों के बीच त्रिकोणीय जाल बनाती हैं और छोटे कीड़ों को खाती हैं, जबकि नर सूखी पत्तियों के नीचे छिपना पसंद करते हैं।
- दो या दो से अधिक नरों  को एक मादा मकड़ी के जाल में पाया जा सकता है।

## एंट-ममिकिंग स्पाइडर:

- एंट- मिमिकिंग स्पाइडर को टोक्सियस अल्बोक्लेवस नाम दिया गया है।
- ये साल्टिसिडे (***Salticidae***) परिवार से संबंधित हैं।
- इस प्रजाति के नर और मादा मकड़ियाँ क्रमशः 4 मिमी और 6 मिमी तक लंबी होती हैं।.
- मादाओं के गहरे भूरे रंग के पेट पर सफेद धारियों की एक जोड़ी उन्हें इस समूह के अन्य मकड़ियों (कूदने वाली मकड़ियों) से अलग बनाती है।
- प्रजाति के नर की विशिषता भूरे रंग के मस्तक क्षेत्र और सफेद बालों के साथ काले वक्ष होते हैं।
- इन मकड़ियों में आगे की ओर निकले नुकीले दांत (fangs) में एंटलर के आकार की विशिषताएँ होती हैं।
- इनके प्रत्येक पैर के आधार पर लंबी रीढ़ मौजूद होती है।

## वायनाड वन्यजीव अभयारण्य:

- केरल में स्थित वायनाड वन्यजीव अभयारण्य (WWS) नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व का एक अभिन्न अंग है। इसकी स्थापना वर्ष 1973 में हुई थी।
- नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व यूनेस्को द्वारा नामित **वर्ल्ड नेटवर्क ऑफ बायोस्फीयर रिज़र्व** में शामिल होने वाला भारत का पहला बायोस्फीयर रिज़र्व था (2012 में नामित)।
- इस रिज़र्व के अंतर्गत आने वाले अन्य वन्यजीव उद्यानों में **मुदुमलाई वन्यजीव अभयारण्य**, **बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान**, **नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान**, **मुकुर्थी राष्ट्रीय उद्यान** **और** **साइलेंट वैली** शामिल हैं।
- 344.44 वर्ग किमी. के क्षेत्रफल में फैला हुआ वायनाड वन्यजीव अभयारण्य कर्नाटक के नागरहोल और **बांदीपुर** तथा तमिलनाडु के **मुदुमलाई** के बाघ अभयारण्यों से जुड़ा हुआ है।
- **काबिनी नदी** (**कावेरी नदी** की एक सहायक नदी) इस अभयारण्य से होकर बहती है।
- यहाँ पाए जाने वाले वन प्रकारों में दक्षिण भारतीय नम पर्णपाती वन, पश्चिमी तटीय अर्द्ध-सदाबहार वन और सागौन, नीलगिरि/यूकेलिप्टिस तथा ग्रेवेलिया के जंगल शामिल हैं।
- यहाँ **हाथी**, गौर, **बाघ**, चीता, सांभर, चित्तीदार हरिण, जंगली सूअर, स्लॉथ बियर, नीलगिरि लंगूर, बोनट मकाक, सामान्य लंगूर, **मालाबार विशाल गिलहरी** आदि **प्रमुख स्तनधारी** पाए जाते हैं।

**स्रोत: द हिंदू**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/money-spider-ant-mimicking-spider-discovered